amarujala.com

नई दिल्ली | बुधवार, 22 मार्च 2023

थैलीसीमिया शिविर में 153 बच्चों की करवाई जांच

बल्लभगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय के प्रागंण में यूथ रेडक्रॉस इकाइयों के द्वारा थैलीसीमिक इंडिया दिल्ली, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, केंद्रीय शाखा व फाउंडेशन अगेंस्ट थैलीसीमिया के सहयोग से जांच शिविर का आयोजन किया गया।

सचिव रविंद्र डुडेजा ने सभी को बताया कि थैलीसीमिया ग्रसित बच्चों को हर 15 से 20 दिनों में खून चढ़ाया जाता है। पहले जागरूकता के अभाव के कारण ऐसे बच्चों की 10 से 12 वर्ष की उम्र में ही मृत्यु हो जाती थी। थैलीसीमिया की जांच व जागरूकता ऐसे बच्चों के जन्म को रोकने में मदद करती है। संवाद